

|               |       |       |      |
|---------------|-------|-------|------|
| दाखल दिनांक   | ११    | १०    | २०२२ |
| नोंदणी दिनांक | ११    | १०    | २०२२ |
| निकाल दिनांक  | २३    | ०९    | २०२५ |
| कालावधी       | वर्षे | महिने | दिवस |
|               | ०२    | ११    | २२   |

|                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <b>MHND160015742022</b><br> | <p><u>हदगाव येथील न्यायदंडाधिकारी प्रथम वर्ग, न्यायालय क्र. २</u><br/> <u>यांच्या न्यायालयात</u><br/> (पीठासीन अधिकारी-श्रीमती.एस.एस.लोहकरे-जाधव)<br/> -: <u>न्यायनिर्णय</u> :-<br/> (घोषित दिनांक २३.०९.२०२५)<br/> संक्षिप्त फौजदारी खटला क्र ४२७/२०२२, नि. क्र. १९<br/> गु.र.नं. १५५/२०२२ पोलीस ठाणे हदगांव</p> |
| फिर्यादी                                                                                                      | महाराष्ट्र शासन द्वारा पोलीस निरीक्षक,<br>पोलीस ठाणे हदगांव, ता. हदगांव, जि. नांदेड.                                                                                                                                                                                                                              |
| अभियोग पक्षातर्फे<br>सहा. सरकारी<br>अभियोक्ता                                                                 | श्रीमती. बी.ए.लाठकर                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| आरोपी क्र. १                                                                                                  | मारोती दत्ता वाठोरे,<br>वय: ४३वर्ष, व्यवसाय: मजुरी,                                                                                                                                                                                                                                                               |
| आरोपी क्र. २                                                                                                  | देवा उर्फ देवराव संभा वाठोरे<br>वय: २९ वर्ष, व्यवसाय:मजुरी<br>सर्व रा. हरडफ, ता. हदगांव, जि. नांदेड                                                                                                                                                                                                               |
| आरोपी क्र. १ व २<br>करिता विधीज्ञ                                                                             | वकील श्री. आर.पी.देशमुख                                                                                                                                                                                                                                                                                           |

| <b>भाग - ब</b>                     |                                      |
|------------------------------------|--------------------------------------|
| गुन्ह्याची तारीख                   | १६.०५.२०२२                           |
| पहिली खबर दिनांक                   | १६.०५.२०२२                           |
| दोषारोपपत्राचा दिनांक              | ११.१०.२०२२                           |
| दोषारोप ठेवल्याचा दिनांक           | ११.११.२०२४                           |
| पुरावा सुरु झाल्याचा दिनांक        | ११.११.२०२४                           |
| न्यायनिर्णय राखुन ठेवल्याचा दिनांक | निरंक                                |
| न्यायनिर्णय दिनांक                 | २३.०९.२०२५                           |
| शिक्षा दिल्याची तारीख, आदेश        | आरोपीची निर्दोष मुक्तता करण्यात आली. |

### आरोपीचा तपशील

| आरोपीची श्रेणी | आरोपीचे नांव        | अटक तारीख           | जामीनवर सोडल्याची तारीख | अधिनियम                                              | निर्दोष मुक्त केले किंवा शिक्षा दिली | दिलेली शिक्षा | सुनावणी दरम्यान जेलमध्ये असल्याचा कालावधी कलम ४२८ सी.आर.पी सी. |
|----------------|---------------------|---------------------|-------------------------|------------------------------------------------------|--------------------------------------|---------------|----------------------------------------------------------------|
| १.             | मारोती दत्ता वाठोरे | सुचना पत्रावर सोडले | २८.०८.२०२५              | महाराष्ट्र दारुबंदी अधिनियम चे कलम ६५ (ई)व ८३ अन्वये | निर्दोष मुक्तता केली                 | निरंक         | निरंक                                                          |

|    |                                       |                           |            |                                                                        |                            |       |       |
|----|---------------------------------------|---------------------------|------------|------------------------------------------------------------------------|----------------------------|-------|-------|
| २. | देवा उर्फ<br>देवराव<br>संभा<br>वाठोरे | सुचना<br>पत्रावर<br>सोडले | २८.०८.२०२५ | महाराष्ट्र<br>दारुबंदी<br>अधिनियम<br>चे कलम<br>६५ (ई)व<br>८३<br>अन्वये | निर्दोष<br>मुक्तता<br>केली | निरंक | निरंक |
|----|---------------------------------------|---------------------------|------------|------------------------------------------------------------------------|----------------------------|-------|-------|

**भाग — क**

**अभियोगपक्षाच्या / बचाव पक्षाच्या / न्यायालयाचे साक्षीदारांची यादी**

**अ. अभियोग**

| श्रेणी                         | नांव               | पुराव्याचे स्वरूप<br>( प्रत्यक्ष साक्षीदार, पोलीस साक्षीदार,<br>एक्सपर्ट साक्षीदार, वैद्यकीय साक्षीदार,<br>पंच साक्षीदार व इतर साक्षीदार ) |
|--------------------------------|--------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| अ.सा.क्र. १                    | यादव काळुराम कलाने | जप्ती पंचनाम्यावरील साक्षीदार                                                                                                              |
| <b>ब.बचाव साक्षीदार, इतर</b>   |                    |                                                                                                                                            |
| श्रेणी                         | नांव               | पुराव्याचे स्वरूप                                                                                                                          |
| डि.सा.क्र. १                   | निरंक              | निरंक                                                                                                                                      |
| <b>क. कोर्ट साक्षीदार, इतर</b> |                    |                                                                                                                                            |
| श्रेणी                         | नांव               | पुराव्याचे स्वरूप<br>(प्रत्यक्ष साक्षीदार, पोलीस साक्षीदार,<br>एक्सपर्ट साक्षीदार, वैद्यकीय साक्षीदार,<br>पंच साक्षीदार, इतर साक्षीदार)    |
| अ.सा.क्र. १                    | निरंक              | निरंक                                                                                                                                      |

अभियोगपक्षाचे / बचाव / कोर्ट निशाणी

अ. अभियोग

| अनु. क्र.              | निशाणी क्र.       | तपशील                                   |
|------------------------|-------------------|-----------------------------------------|
| १                      | पी-१/पी.डब्ल्यू १ | जप्ती पंचनाम्यावरील साक्षीदार यांची सही |
| <b>ब. बचाव</b>         |                   |                                         |
| अनु. क्र.              | निशाणी क्र.       | तपशील                                   |
| १                      | निरंक             | निरंक                                   |
| <b>क. कोर्ट निशाणी</b> |                   |                                         |
| अनु. क्र.              | निशाणी क्र.       | तपशील                                   |
| १                      | निरंक             | निरंक                                   |
| <b>ड. मुद्देमाल</b>    |                   |                                         |
| अनु. क्र.              | मुद्देमाल क्र.    | तपशील                                   |
| १                      | निरंक             | निरंक                                   |

:: न्यायनिर्णय ::

(घोषीत दिनांक: २३ सप्टेंबर, २०२५)

१) आरोपींविरुद्ध प्रस्तुतचे प्रकरणात महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियमचे कलम ६५ (ई) व ८३ अन्वये दोषारोप ठेवून प्रस्तुत खटल्याची संपरिक्षा करण्यात आली. सहाय्यक सरकारी अभियोक्ता श्रीमती.बी.ए.लाठकर आणि आरोपींचे सुविज्ञ वकील श्री.आर.पी.देशमुख सविस्तर युक्तीवाद ऐकला. सर्व पुराव्याचे अवलोकन केले त्यावरून खालील प्रश्न उपस्थित होतात, त्यास खालील कारणांस अनुसरून मी निष्कर्ष नोंदविले.

| अ.क्र. | वादप्रश्न                                                                                                                                                                                                        | निष्कर्ष |
|--------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|
| १.     | अभियोगपक्षाने असे शाबित केले काय की, आरोपी क्रं. १ व २ यांनी दिनांक १६.०५.२०२२ रोजी १७:३७ वाजताच्या सुमारास मौ.हरडफ ता. हदगाव, जि.नांदेड येथे वायवळ यांचे घराचे समारील रोडवर विना-परवाना व बेकायदेशीररीत्या देशी | नाही.    |

|    |                                                                                                                                                                                                                                                                              |                       |
|----|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-----------------------|
|    | दारु भिंगरी संत्राच्या १८० मिली क्षमतेच्या एकूण १५ सिलबंद बॉटल ज्याची एकूण किंमत अंदाजे ९००/- रुपये विक्री करण्याच्या उद्देशाने कब्जात बाळगलेल्या स्थितीत मिळून आले आणि त्याद्वारे आरोपी क्रं. १ व २ यांनी महाराष्ट्र दारुबंदी अधिनियमचे कलम ६५ (ई) व ८३ अन्वये अपराध केला ? |                       |
| २. | काय आदेश ?                                                                                                                                                                                                                                                                   | अंतिम<br>आदेशाप्रमाणे |

**-: का र ण मी मां सा :-**

**प्रश्न क्रमांक १ साठी-**

२. आरोपींविरुद्धचा गुन्हा सिध्द करण्यासाठी अभियोगपक्षाने केवळ एक साक्षीदारांची साक्ष नोंदवली. साक्षीदार क्रं. १ यादव काळुराम कलाने (पंच साक्षीदार ) यांची साक्ष नि.क्रं १४ वर नोंदविण्यात आली. अभियोगपक्षास वारंवार संधी देऊनही त्यांनी फिर्यादी, इतर स्वतंत्र प्रत्यक्षदर्शी व पंच साक्षीदारांची व तपासी अधिकारी यांची साक्ष घेतली नाही. अभियोगपक्षाने त्यांचा पुरावा निशाणी १ प्रमाणे बंद केला. त्यावरून अभियोग पक्षाचा पुरावा निशाणी १ वरील आदेशाप्रमाणे बंद करण्यात आला. आरोपीतर्फे कोणीही साक्षीदार तपासले नाही व त्यांनी देखील त्यांचा पुरावा निशाणी क्रं.१५ वर पुरसीस देवून बंद केला.

३. अभियोगपक्षातर्फे साक्षीदार क्रं. १ यादव काळुराम कलाने (पंच साक्षीदार ) यांची साक्ष नि.क्रं १४ वर नोंदविण्यात आली. त्यांनी साक्षीदरम्यान कथन केले की, त्यांना दि १६/०५/२०२२ रोजी पोलीसांनी त्यांना पोलीस जप्ती पंचनाम्याकरीता बोलावले नव्हते. त्यांच्यासमक्ष पोलीसांनी काहीही जप्त केले नाही. तसेच त्यांनी पंचनाम्यातील मजकूर खरा नसल्याचे कथन केले व केवळ पंचनाम्यावरील त्यांची सही मान्य केली. त्यामुळे उपरोक्त पंच साक्षीदार यांना 'फितूर' घोषित करण्यात आले.

सहाय्यक सरकारी अभियोक्ता यांनी भारतीय पुरावा कायद्याचे कलम १५४ अन्वये त्यांना उलटतपासात विचारता येतील असे 'सूचक प्रश्न' विचारण्यास परवानगी देण्यात आली. परंतु उलटतपासातही उपरोक्त साक्षीदार यांच्या साक्षीतून घटने दिवशी, वेळी व ठिकाणी आरोपी क्रं. १ व २ हा दोषारोपात नमूद केल्याप्रमाणे १८० मिली क्षमतेच्या एकुण १५ सिलबंद देशी दारु भिंगरी संत्राच्या बॉटल्स अंदाजे ९००/- रुपये किंमतीची बेकायदेशीरपणे व विना परवाना विक्री करण्याच्या उद्देशाने जवळ बाळगून होते असे काहीही अभियोगपक्षास निष्पन्न करता आले नाही. त्यामुळे अभियोगपक्ष जप्ती पंचनामा सिध्द करू शकला नाही.

४. अभियोग पक्षास वारंवार संधी देवूनही अभियोग पक्ष इतर स्वतंत्र साक्षीदार किंवा तपासी अंमलदार यांना तपासू शकले नाही. केमिकल अॅनालायझरचा रिपोर्ट दाखल केला नाही. त्यामुळे आरोपीच्या ताब्यात मिळून आलेले द्रव्य हे दारूच होती ही बाब अभियोगपक्षाने शाबीत केली नाही. या व्यतिरीक्त जप्त मुद्देमाल आरोपीच्या ताब्यातून जप्त करण्यात आला असे दाखवणारा कुठलाही पुरावा अभिलेखावर नाही. त्यामुळे जप्त केलेले द्रव्य हे देशी दारूच होती व आरोपी ती दारू विक्री करण्याच्या उद्देशाने बाळगून होते किंवा कसे ही बाब सिध्द होण्याइतपत सबळ पुरावा अभियोगपक्षाने न्यायालयासमोर आणला नाही. सबब आरोपीविरुद्ध महाराष्ट्र दारूबंदी अधिनियम ६५(ई), ८३ अन्वये गुन्हा केला हे सिध्द करणारा सबळ पुरावा न्यायालयासमोर आलेला नाही. परिणामतः आरोपी क्रं. १ व २ यांस निर्दोष मुक्त करण्यात येते. वरील कारणास्तव मी **प्रश्न क्र. १ चे उत्तर नकारार्थी** देत आहे.

#### **प्रश्न क्रमांक २ साठी:-**

५. वरील सर्व साक्षी पुराव्याचे अवलोकन केले असता व प्रश्नांचे निष्कर्ष विचारात घेतले असता, अभियोगपक्ष आरोपी क्रं. १ व २ विरुद्धचे दोषारोप सबळ

पुराव्याद्वारे सिध्द करु शकला नाही. परिणामतः आरोपी क्रं. १ व २ निर्दोष मुक्ततेस पात्र आहे. सबब, मी प्रश्न क्र. २ चे निष्कर्षाकरीता खालील आदेश पारित करीत आहे.

| :: आदेश :: |                                                                                                                                                                                                                                             |
|------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १          | आरोपी क्र. १ मारोती दत्ता वाठोरे व २. देवा उर्फ देवराव संभा वाठोरे यांची फौजदारी प्रक्रिया संहिता १९७३ चे कलम २५५ (१) अन्वये महाराष्ट्र दारुबंदी अधिनियमचे कलम ६५ (ई) व ८३ अन्वये शिक्षेस पात्र अपराधामधुन निर्दोष मुक्तता करण्यात येत आहे. |
| २          | तपासी अधिकारी यांनी प्रस्तुत गुन्ह्यातील जप्त केलेला मुद्देमाल नाश केला नसल्यास तो मुद्देमाल अपिल कालावधी नंतर राज्य उत्पादन शुल्क विभागाकडे नियमाप्रमाणे नाश करण्याकरिता पाठविण्यात यावा.                                                  |
| ३          | तपासी अधिकारी यांनी प्रस्तुत गुन्ह्यातील जप्त रक्कम अपिल कालावधीनंतर नियमाप्रमाणे सरकार जमा करावी व इतर जुगाराचे जप्त साहित्य हे मुल्यहीन असल्याने ते अपिल कालावधीनंतर नियमाप्रमाणे नाश करावे.                                              |
| ४          | आरोपीचे जामीनपत्र व बंधपत्र रद्द करण्यात आले.                                                                                                                                                                                               |
| ५          | आरोपी यांनी फौजदारी प्रक्रिया संहिता १९७३ कलम ४३७ अ अन्वये वरिष्ठ न्यायालयात अपिल अथवा इतर अर्ज दाखल झाल्यास हजर राहणेसाठी प्रत्येकी रक्कम रुपये १५०००/- (रुपये पंधरा हजार मात्र) चे वैयक्तिक बंधपत्र व जामीनपत्र दाखल करावे.               |
|            | (न्यायनिर्णय खुल्या न्यायालयात घोषित करण्यात आला.)                                                                                                                                                                                          |

दिनांक. २३.०९.२०२५

(श्रीमती.एस.एस.लोहकरे-जाधव)  
प्रथम वर्ग न्यायदंडाधिकारी,  
(न्यायालय क्रं.२) ता. हदगाव,  
जि.नांदेड.

### प्रमाणपत्र

मी अधिकथन करते की, संगणक प्रणालीमध्ये क्रमावली नकल करुन घातलेल्या न्यायनिर्णयामधील शब्दन्शब्द हा मूळ न्यायनिर्णयाप्रमाणे आहे.

कनिष्ठ लिपिकाचे नाव: - कु.पी.जी.वानखेडे

न्यायालयाचे नाव: - न्यायदंडाधिकारी प्र.वर्ग न्यायालय हदगांव जि. नांदेड

न्यायनिर्णय दिनांक: - २३/०९/२०२५

न्यायनिर्णयावर पीठासीन अधिकारी केलेल्या स्वाक्षरीचा दिनांक:- २३/०९/२०२५

न्यायनिर्णय संगणक प्रणालीमध्ये क्रमावली नकल करुन घातल्याचा दिनांक:-

२३/०९/२०२५